सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या– 263
05/04/2018

राज्य को शराबबंदी से नशामुक्ति की तरफ ले जाना है :– मुख्यमंत्री

पटना, 05 अप्रैल 2018 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज अधिवेशन भवन में पूर्ण मद्य निषेध के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्जलित कर उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज के दिन दो वर्ष पहले राज्य में पूर्ण शराबबंदी लागू हुई थी। एक अप्रील 2016 को राज्य में शराबबंदी लागू की गई थी जिसके प्रथम चरण में ग्रामीण इलाके में देशी एवं विदेशी शराब को बंद करने का निर्णय लिया गया था। शहरी इलाके में शराबबंदी का निर्णय दूसरे फेज में करने पर विचार किया गया था। एक अप्रैल से चार अप्रैल के बीच शहरी इलाके में भी शराब की दुकानों को बंद करने के समर्थन में लोगों ने प्रदर्शन किया जिसके बाद इससे उत्साहित होकर हमने पांच अप्रैल 2016 से राज्य में पूर्ण शराबबंदी लागू करने का निर्णय किया। राज्य में पूर्ण शराबबंदी का लोगों ने जबरदस्त स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शराब सेवन के चलते पहले समाज में क्या हालत थी? अपनी गाढ़ी कमाई का बहुत बड़ा हिस्सा शराब में लोग बर्बाद कर देते थे। घर का माहौल तनावपूर्ण रहता था। महिलाओं और बच्चों की स्थिति घर में काफी खराब रहती थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं की मांग पर ही हमने शराबबंदी का निर्णय किया। शराबबंदी के बाद एक महिला ने आपबीती सुनाई जिसमें उसने कहा कि मेरे पति पहले शराब पीकर घर आते थे, शाम में झगड़ा करते थे और देखने में भी कुरूप लगते थे। शराबबंदी के बाद अब वे शाम में बाजार से सब्जी लेकर आते हैं, मुस्कुराते हैं और अब देखने में भी अच्छे लगते हैं। शराब पीने से लोगों का शारीरिक मानसिक और आर्थिक नुकसान होता था। शराबबंदी के बाद भी कुछ धंधेबाज इस काम में लिप्त हैं। अब महिलाओं से आग्रह है कि वे सतर्क रहें और शराब पीने वालों को समझाएं ताकि शराब से होने वाले नुकसान की नौबत नहीं आए। मुख्यमंत्री ने कहा कि शराब का अवैध कारोबार करने वालों एवं इसका सेवन करने वालों के खिलाफ सख्त कानून बनाया गया है और उसपर कार्रवाई हो रही है लेकिन इसको पूर्ण रूप से सफल बनाने के लिए सामाजिक अभियान लगातार जारी रखना होगा, हर आदमी को सचेत रहना होगा और सजग रहना होगा। पिछले वर्ष शराबबंदी के पक्ष में 21 जनवरी 2016 को मानव श्रृंखला बनी थी जिसमें राज्य की आबादी का लगभग एक तिहाई हिस्सा यानि करीब चार करोड़ लोग शामिल हुए थे। इसमें हर आयु वर्ग के लोग शामिल हुए थे। इसने दुनिया में एक इतिहास कायम किया। मानव श्रृंखला में सभी जाति, सभी धर्म एवं सभी राजनीतिक दल के लोगों ने एक दूसरे का हाथ पकड़कर शराबबंदी के पक्ष में अपना संकल्प व्यक्त किया था लेकिन आज कुछ लोग अनैतिक राजनीति कर रहे हैं। लोगों की चिंता नहीं कर रहे हैं। शराब पीने वालों, धंधा करने वालों, पिलाने वालों के खिलाफ कानून सख्ती से कार्रवाई करेगा। शराबबंदी के पक्ष में पूर्ण जनमत है। चंद पढ़े लिखे लोग अमीर उमरां लोग शराब पीने को अपनी आजादी से जोड़कर देखते हैं। माननीय सुप्रीम कोर्ट का भी फैसला है कि शराब पीना मौलिक अधिकार नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शराबबंदी से नशामुक्ति की तरफ बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि एक अप्रैल 2016 से 31 मार्च 2018 तक 6 लाख 83 हजार 370 छापेमारी की गई। 1 लाख 5 हजार 954 अभियोजन दर्ज किए गए और 1 लाख 27 हजार 489 लोगों की गिरफ्तारी की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दौरान 11 लाख

70 हजार 800 लीटर देशी शराब, 17 लाख 13 हजार 780 लीटर विदेशी शराब, 2 लाख 93 हजार 819 लीटर चुलाई शराब एवं 1 लाख 29 हजार 901 लीटर अवैध सुशब जब्त की गई और अभियान चलाकर बड़ी मात्रा में देशी और विदेशी शराब को नष्ट भी किया गया। जिस तरह कुछ लोगों ने यह हौवा खड़ा करने की कोशिश की है कि एक लाख लोग जेलों में बंद हैं जबकि सच्चाई यह है कि शराबबंदी के क्रम में जेल में रह रहे लोगों की सूचना प्राप्त की गयी तो पता चला कि दिनांक–12.03.2018 को केवल 8123 लोग जेलों में बंद हैं। उन्होंने कहा कि 801 लोग बिहार के बाहर के हैं जो गिरफ्तार किए गए हैं। सभी वर्ग के लोग जो इस अवैध कार्य से जुड़े रहे हैं वही जेल में हैं। शराबबंदी से सबसे ज्यादा फायदा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओ0बी0सी0, ई0बी0सी0, गरीब वर्ग के लोगों को हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शराब चुलाने का धंधा करने वाले गरीब तबके से आते हैं। हमने प्रथम दिन से ही अपने अधिकारियों से कहा है कि ऐसे लोगों को समझाइये और उनके रोजगार की वैकल्पिक व्यवस्था करिए। पूर्णिया जिले के एक गांव में लोगों को दो–दो गाय उपलब्ध करायी गयी ताकि वे अपनी जीविका चला सकें। ऐसे परिवार अपना जीविकोपार्जन कर बहुत प्रसन्न हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ ऐसे परिवार हैं जो शराब चुलाई के धंधे में अभी भी लिप्त हैं, जीविका के माध्यम से इस तरह के परिवारों को चिह्नित कर स्वयं सहायता समूह से उनको जोड़ने के लिए विशेष कार्यक्रम बनाए जा रहे हैं। जीविका के माध्यम से उनको वैकल्पिक रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा जैसे गायपालन, बकरीपालन, ई–रिक्शा यानि जो जरूरत होगी उस तरह की आर्थिक सहायता उपलब्ध करायी जाएगी ताकि वे अपना जीविकोपार्जन कर सकें। अभी तक 8 लाख स्वयं सहायता समूह का गठन हो चुका है। 10 लाख स्वयं सहायता समूह गठित करने का हमारा लक्ष्य है जिसके माध्यम से करीब सवा करोड़ परिवार जुड़ जाएंगे। जीविका के माध्यम से महिलाएं अपने परिवार का भरण–पोषण कर रही हैं। महिलाओं का सशक्तिकरण हुआ है उनका आत्मविश्वास बढ़ा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस साल 26 जनवरी को झंडोत्तोलन कार्यक्रम में पुनपुन ब्लॉक में एक महादलित टोले में हम भी उपस्थित हुए थे। उस महादलित टोले के सबसे बुजुर्ग व्यक्ति ने झंडोत्तोलन किया था। झंडोत्तोलन के बाद संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था कि हमलोगों का आठ आना मर गया, आठ आना बच गया, यानि शराब के चलते आधी आबादी तो खत्म हो गई और आधी आबादी को आपने बचा लिया। शराबबंदी को सफल बनाने के लिए सरकार ने आई0जी0/ए0डी0जी0 मद्य निषेध का पद सृजित किया है जिसके माध्यम से पूरी चीज की मॉनिटरिंग की जायेगी। यह सी0आई0डी0 के अंदर विकसित किया गया है, इसे पूरी तरह स्वायत्तता प्रदान की गई है। आज मद्य निषेध लोक आसूचना केंद्र के लोकार्पण से इसको एक नई ताकत दी गई है। हरेक गांव में बिजली के खंभे पर निशुल्क दूरभाष संख्या 1800 3456 268/ 15545 लिखा रहेगा इसपर कोई भी व्यक्ति गड़बड़ी करने वाले की सूचना अपने मोबाइल से दे सकेगा। सूचना देने वालों का नाम गुप्त रखा जाएगा। निर्धारित समय सीमा के अंदर कार्रवाई की जाएगी और यह जानकारी भी ली जाएगी कि आप संतुष्ट हैं या नहीं। असंतुष्ट होने पर ऊपर के पदाधिकारी इसका समाधान करेंगे। यह आसूचना केंद्र अभी दस घंटे काम करेगा लेकिन 15 अप्रैल से 24X7 कार्यरत रहेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गांधी जी के इस कथन पर गौर करने की जरूरत है जिसमें उन्होंने कहा था कि सांप तो आपके शरीर को नष्ट कर देता है लेकिन शराब का दुष्प्रभाव अंदर की आत्मा को भ्रष्ट कर देता है। राज्य में न्याय के साथ विकास के कार्य किए जा रहे हैं। हर घर तक नल का जल, पक्की गली–नाली, चार साल के अंदर उपलब्ध करा दी जाएगी। इस साल के अंत तक हर घर तक बिजली पहुंच जाएगी। शौचालय का निर्माण मिशन मोड में किया जा रहा है। सात निश्चय के कार्यक्रम को लागू किया जा रहा है। राज्य शिक्षा वित्त निगम की

स्थापना से स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना में तेजी आएगी। विकास का काम द्रुत गति से चलता रहेगा, साथ–साथ समाज सुधार का काम भी जारी रहेगा। हम कदम आगे बढ़ाते रहेंगे। इन समाज सुधार के कामों से बिहार की तस्वीर बदल रही है। समाज में शांति, प्रेम एवं सदभाव बना रहे, यह जरूरी है। कानून का राज कायम है इससे कोई समझौता नहीं होगा। बिहार का गौरवशाली इतिहास रहा है और पुनः बिहार के उसी गौरव को हासिल करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक–जत्था के कलाकारों द्वारा जो गीत की प्रस्तुति की गई है उसे गांव–गांव तक पहुंचाया जाए। मुख्यमंत्री ने आज के इस गीत को सभी स्कूलों के बच्चों तक पहुंचाने की बात संबंधित अधिकारियों को कही। उन्होंने कहा कि पत्रकार श्री नीतीश चंद्रा की सी0डी0 को भी हर गांव तक पहुंचाया जाए। इस सशक्त अभियान को सफल बनाने में सभी लोग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में शुरू हुए सामाजिक सुधारों के बाद विकास का सही लाभ लोगों को मिलेगा।

मुख्यमंत्री का स्वागत पुष्पगुच्छ एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर किया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, ऊर्जा सह मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन मंत्री श्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, ग्रामीण विकास एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री श्रवण कुमार, मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह, पुलिस महानिदेशक श्री के0एस0 द्विवेदी, गृह, सामान्य प्रशासन सह मद्य निषेध उत्पाद एवं निबंधन विभाग के प्रधान सचिव श्री आमिर सुबहानी ने समारोह को संबोधित किया। वित्त सह सूचना एवं प्रावैधिकी विभाग के सचिव श्री राहुल सिंह ने मद्य निषेध लोक आसूचना केंद्र के बारे में एक संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण दिया। इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने मद्य निषेध लोक आसूचना केंद्र का लोकार्पण किया। वहीं इस मौके पर इंडिया टीवी के वरिष्ठ संवाददाता श्री नीतीश चंद्रा के द्वारा शराबबंदी पर गाए गीत की सी0डी0 का भी लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री ने जीविका की दीदी की कुशल कार्यशैली के लिए, एवं कला जत्था के कलाकारों को भी प्रशस्ति–पत्र एवं शॉल भेंटकर उन्हें सम्मानित किया। वहीं कुछ पुलिस पदाधिकारियों द्वारा शराबबंदी को लेकर किए गए कार्य के लिए मुख्यमंत्री ने उन्हें भी सम्मानित किया। कार्यक्रम की शुरुआत से पहले मुख्यमंत्री ने चित्रकला दीर्घा का अवलोकन किया।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री सह विधान पार्षद श्री अशोक चौधरी, विधायक श्री ज्ञानेंद्र सिंह ज्ञानू, विधान पार्षद श्री रामचंद्र भारती, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अतीश चंद्रा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, पुलिस एवं प्रशासन के अन्य वरीय पदाधिकारीगण अन्य जनप्रतिनिधिगण, विशिष्ट अतिथिगण, जीविका की दीदियां एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

******